



भारत का गज़त पत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

मार्च १९८९

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 115] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च ९, १९८९/फाल्गुन १८, १९१०
No. 115] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 9, 1989/PHALGUNA 18, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रोल्या वी आती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(राजायन और पेट्रोरसायन विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, ७ मार्च, १९८९

का. श्रा. 179(प्र).—केश्मीर मरकार, श्रीष्ठि (कीमत नियंत्रण) आवेदन, 1987 के
पैरा 3 के उपर्यंत (1) हारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र,
असाधारण भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 3 जनवरी, 1981 में प्रकाशित भारत

सरकार के भूतपूर्व पंद्रोलियम, रसायन और उर्वरक भंडालय (रसायन और उर्वरक विभाग) के आदेश सं. 8(57)/80 ई-2 का. आ. 8(ग), तारीख 31 विसम्बर, 1980 को, जहाँ तक उसका संबंध फस सं. 8 के सामने “प्रोबेनेड” औषधि से है, अधिकांत करते हुए, 451.00 रुपए प्रति किलोग्राम को उस अधिकतम विक्रय कीमत के रूप में नियत करती है, जिस पर देश में विनिर्मित प्रयुज औषधि का विक्रय किया जाएगा।

[सं. 25(61)/88-भाग-1]

आर.एस. माथुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Chemicals and Petrochemicals)

ORDER

New Delhi, the 7th March, 1989

S.O. 179 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 3 of the Drugs (Prices Control) Order, 1987 and in supersession of the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Chemicals and Fertilizers) No. 8(57)/80—D.II, S.O. 8(E) dated the 31st December, 1980 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 31st January, 1981, in so far as it relates to the drug “Probenecid” against Serial No. 8, the Central Government hereby fixes Rs. 451.00 per kilogram as the maximum sale price at which Probenecid bulk drug manufactured indigenously shall be sold.

[No. 25(61)/88—Pt.I]

R. S. MATHUR, Jt. Secy.